

K.V. NO-4, DELHI CANTT

KANDHAR LINES, N.D.-10

NATIONAL SPORTS DAY CELEBRATION (29.08.20)



A salute to our Athletes on

National Sports Day

who work passionately & relentlessly and have made our nation proud





राष्ट्रीय खेल दिवस पर प्राचार्या के उद्गार (29.08.20)

सोच को अपनी ले जाओ उस शिखर पर,
ताकि उसके आगे सितारे भी झुक जाएं,
ना बनाओ अपने सफर को किसी किशती का मोहताज,
चलो इस शान से कि तूफान भी रुक जाय ॥

राष्ट्रीय खेल-दिवस पर सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों व समस्त भारतवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। हर वर्ष 29 अगस्त को खेल जगत की महान विभूति मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता। उन्हें 'हॉकी का जादूगर' का भी उपनाम दिया गया है। कहते हैं मनुष्य की पहचान उसके कुल से नहीं बल्कि कर्म से होनी चाहिए। सामान्य परिवार में जन्मे ध्यानचंद ने हमारे राष्ट्रीय खेल हॉकी को फर्श से अर्श तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। यह राष्ट्रीय खेल दिवस स्कूल, कॉलेज और खास कर खेल अकादमियों में मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा नवयुवकों (Youth) को खेलों के प्रति जागरूक करना है ताकि उनका ध्यान पढ़ाई के अलावा खेलों की तरफ भी लगाया जाए और उन्हें खेलों का महत्व समझाया जा सके। इस राष्ट्रीय दिवस को प्रति वर्ष राष्ट्रपति भवन में भी मनाया जाता है और देश के राष्ट्रपति खुद देश के लिए सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करते हैं जिनमें से खिलाड़ियों को ध्यानचंद अवार्ड, नेशनल अवार्ड, अर्जुन अवार्ड, राजीव गांधी खेल रत्न अवार्ड आदि अवार्डों से सम्मानित किया जाता है। सभी समझते हैं कि, खेल का अर्थ केवल शारीरिक और मानसिक तंदुरुस्ती है। यद्यपि, इसके बहुत से छिपे हुए लाभ भी हैं। खेल और अच्छी शिक्षा दोनों ही एक साथ एक बच्चे के जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक हैं। दोनों को ही स्कूल और कॉलेजों में बच्चों को आगे बढ़ाने और विद्यार्थियों का उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए समान प्राथमिकता देनी चाहिए। खेल का अर्थ न केवल शारीरिक व्यायाम है हालांकि, इसका अर्थ विद्यार्थियों की पढ़ाई की ओर एकाग्रता स्तर को बढ़ावा देना है। खेलों के बारे में आमतौर पर, कहा जाता है कि, "एक स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन रहता है", जिसका अर्थ है कि, जीवन में आगे बढ़ने और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए तंदुरुस्त शरीर में एक स्वस्थ मन होना चाहिए। खेल खेलना उच्च स्तर का आत्मविश्वास लाता है और हमें अनुशासन सिखाता है, जो हमारे साथ पूरे जीवनभर रहता है। बच्चों को खेलों के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और घर और स्कूली स्तर पर शिक्षकों और अभिभावकों की समान भागीदारी के द्वारा उनकी खेलों में रुचि का निर्माण करना चाहिए। खेल बहुत ही रुचिकर हो गए हैं और किसी के भी द्वारा किसी भी समय खेले जा सकते हैं हालांकि, पढ़ाई और अन्य किसी में भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए इनका बचपन से ही अभ्यास होना चाहिए। खेलों से विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, परस्पर सहयोग आदि सकारात्मक गुणों का भी विकास होता है व स्मरण-शक्ति भी बढ़ती है। अतः यदि हम में खेलने का जुनून हो तो अपनी प्रतिभा को कुंठित नहीं करना चाहिए बल्कि सतत अभ्यास, दृढ़-इच्छा शक्ति के साथ अपने लक्ष्य की ओर उन्मुख हो भीड़ से हटकर अपनी विशिष्ट पहचान बनानी चाहिए।

अंत में चंद पंक्तियों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम दूँगी-

सफर की हद है वहाँ तक की कुछ निशान रहे,
चले चलो की जहाँ तक ये आसमान रहे,
ये क्या उठाये कदम और आ गई मंजिल,
मजा तो तस्ब है के पैरों में कुछ थकान रहे ॥

संगीता ज़ैदी
(प्राचार्या)

SPEECH BY PRINCIPAL, TEACHER & STUDENT

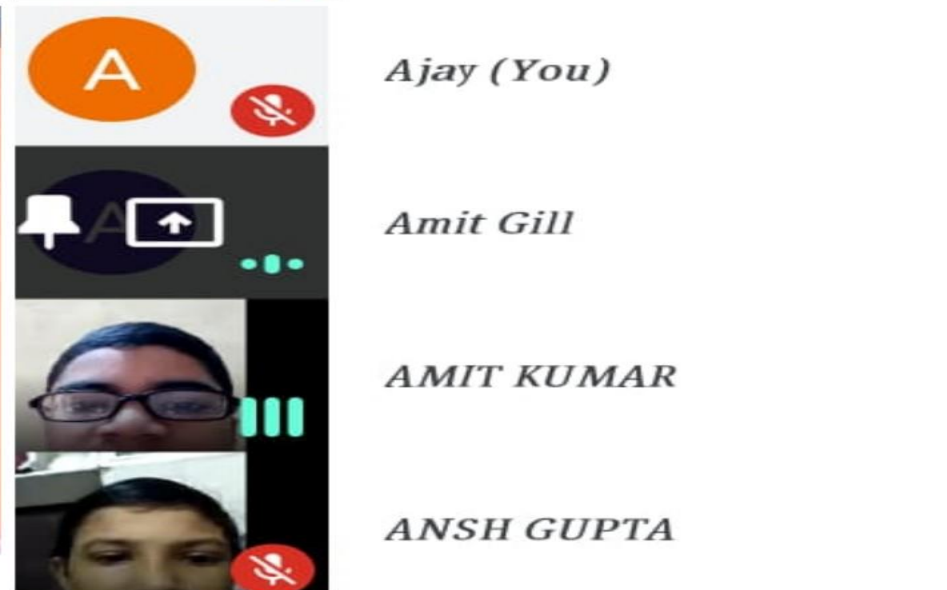
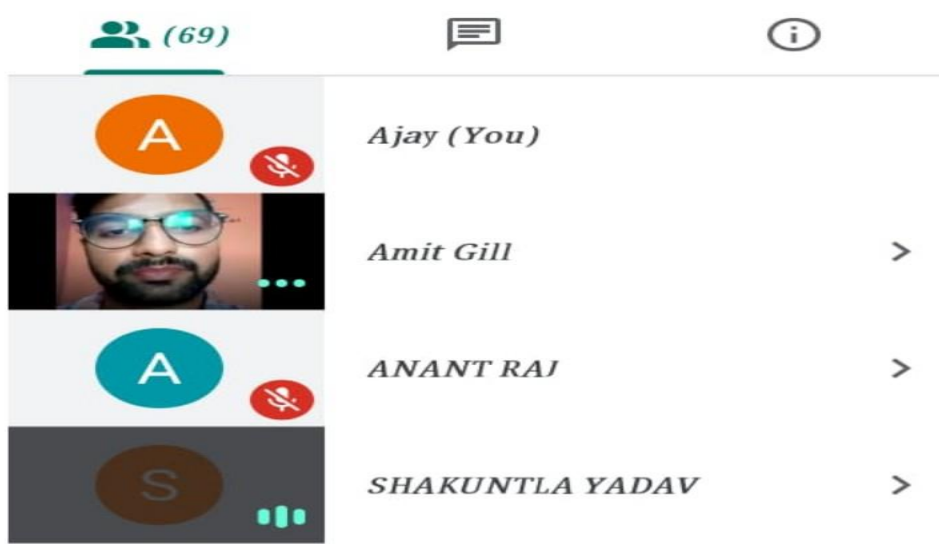


POSTER MAKING ACTIVITY

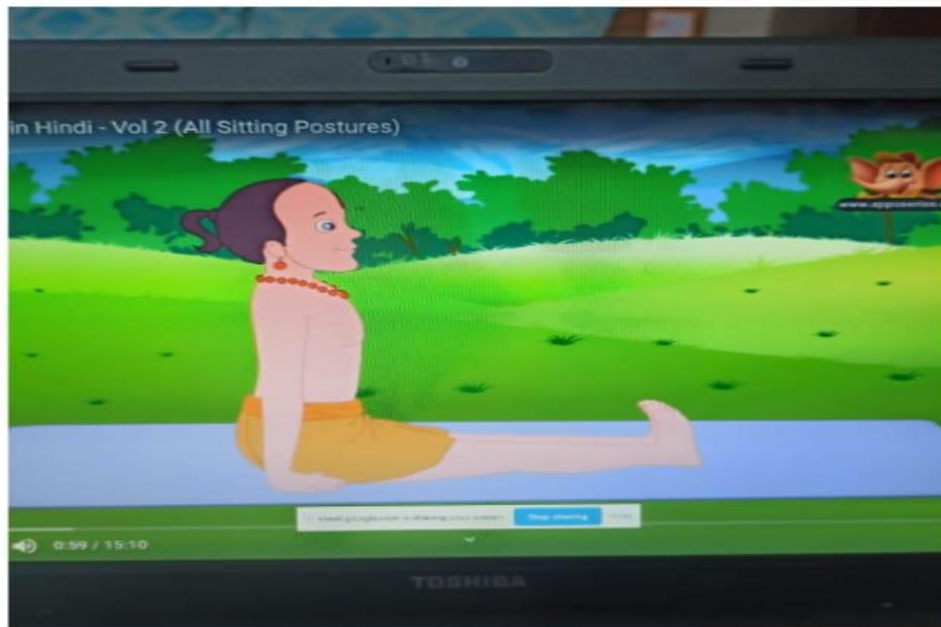
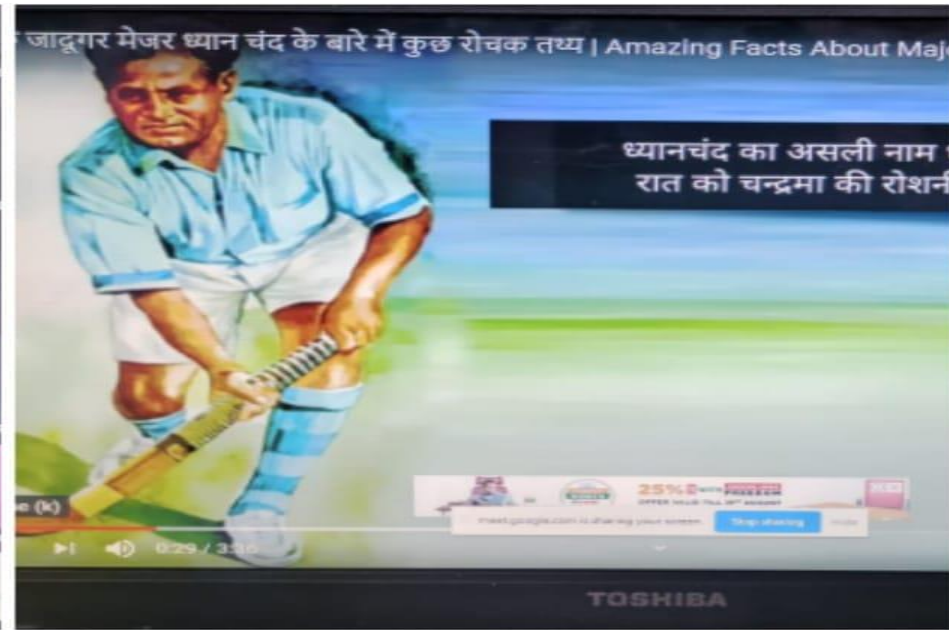




ONLINE SESSION



VIDEO CLIPS PRESENTATION



QUIZ COMPETITION

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLScxyCepsZxKpwc3-bzz1m5m-nDruL89YG58GMaVqPBzjcGQw/viewform?usp=sf_link

Class-5 (Quiz Link) Total Participants-48

<https://forms.gle/UGhsSGLJSr9n8CVY8>

Class-6 to 8 (Quiz Link) Total Participants-94

<https://forms.gle/ctxZDB4Rf6cmkgjKA>

Class-9 to 12 (Quiz Link) Total Participants-149

ACTIVITIES RELATED VIDEOS LINK

<https://youtu.be/OAg8zEXMqpl>

(Kumari Vidyushi Speech)

https://youtu.be/C3kb1UlK__8

(Principal speech)

<https://youtu.be/3sdjN6hYDag>

(Mr. Vipul speech)